(ग) और (घ). एक पद दूसरे विभाग के कर्मचारियों के स्थानान्तरण द्वारा भरा गया है। जब रिक्त स्थान स्थानान्तरण द्वारा भरे जाते हैं तो अनुसूचित एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षण नहीं किया जाता है। एक पद रिक्त है और निकट भविष्य में इसके भरे जाने की आशा नहीं है। यदि इसके प्रत्यक्ष-भर्ती से भरने का निर्णय हुआ तो अनुसूचित एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षण विषयक आदेश लागू होंगे। दूसरे दोनों पद मन्त्रियों के निजी स्टाफ पर हैं और इन्हें संबंधित मन्त्रियों की इच्छानुसार भरा जाता।

आशुलिपिक

2465. **श्री रामानन्द शास्त्री** : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में हिन्दी आशुलिपिकों के कितने पद हैं;

(ख) गृह-कार्य मंत्रालय के आदेशानुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए कितने पद आरक्षित हैं;

(ग) क्या सभी आरक्षित पदों पर अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के व्यक्ति कार्य कर रहे हैं; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्तदर्शन झा आजाद) : (क) 5.

(ख) कोई नहीं।

(ग) और (घ). प्रश्न नहीं उठता।

केन्द्रीय सरकार द्वारा मंगाई गई पश्चिम बंगाल सरकार की फाइलें

2466. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम बंगाल सरकार ने केन्द्रीय सरकार को कहा है कि वह उन्हें उस राज्य के वे कागजात लौटा दे, जो केन्द्रीय सरकार ने मंगवा लिये थे ;

(ख) यदि हां, तो इसका पूरा ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) पश्चिम बंगाल सरकार ने कुछ ऐसे रिकार्डों की वापसी के लिए अनुरोध किया है जो राज्य सरकार के अधिकार से केन्द्रीय सरकार को हस्तान्तरित किये गए थे।

(ख) ब्यौरा प्रगट करना जन हित की दृष्टि से ठीक नहीं होगा।

(ग) सरकार मामले पर विचार कर रही है।

विश्वायतन योगाश्रम को अनुदान

2467. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने लगभग चार वर्ष पूर्व नई दिल्ली में स्थित विश्वायतन

योगाश्रम को अनुदान देना बन्द कर दिया था क्योंकि उसके हिसाब किताब में कुछ अनियमितता पाई गई थी ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस आश्रम को पुनः गत वर्ष 31 हजार रुपये का अनुदान दिया गया था ;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ;

(घ) क्या इस आश्रम को इस वर्ष भी अनुदान देने का विचार है; और

(ङ) यदि हां तो उपरोक्त आश्रम को अनुदान दिये जाने से जनता को कैसे लाभ पहुंचता है ?

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

(ग) योगाश्रम द्वारा अपने न्यासधारी (ट्रस्टी) बोर्ड के पुनर्गठन और अपने हिसाब किताब आदि को ठीक ठीक रखने से सम्बन्धित सरकार की कुछ शर्तें मान लेने पर ही, अनुदान फिर से चालू किया गया था ।

(घ) जी हां ।

(ङ) आश्रम द्वारा चलाए जा रहे केन्द्रों में योगाभ्यास की व्यवस्था से जनता को लाभ पहुंचता है ।

Looting of a Bazar by Nagas in Thaubal Sub-Division (Manipur)

2469. Shri Hem Barua:
Shri Nath Pai:
Shri Surendranath Dwivedy:
Shri Samar Guha:
Shri Kameshwar Singh:
Shri A. Sreedharan:
Shri D. C. Sharma:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that armed Naga hostiles recently looted a bazar in the Thaubal Sub-Division of Manipur as also hostile activities were launched in places like Morch and Yaripoth; and

(b) if so, the details of these incidents and the measures adopted to ensure security to people in Manipur?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) and (b). Fifteen armed miscreants, believed to be Naga hostiles looted four shops at Waikhong bazar in Thoubal Sub-Division. Property including cash worth Rs. 4,000 was reported to have been looted. A case was registered in this regard. Patrolling by Manipur Rifles has since been arranged in the area to prevent recurrence of such incidents.

No incidents by Naga hostiles have been reported from Morch and Yaripoth.

Help to Political Sufferers in Goa, Daman and Diu

2470. Shri Shinkre: Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the total number of applications received from political sufferers for the allotment of land and monetary help, respectively in Goa, Daman and Diu upto March, 1967;

(b) the number of applicants sanctioned land and respective area;

(c) the number of applicants sanctioned monetary help and the total amount spent upto March, 1967; and

(d) whether Government propose to allot more funds to the local Administration to minimise the plight of the political sufferers effectively?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) 6 for allotment of land and 3035 for monetary help;

(b) Nil.

(c) Rs. 6,31,380 has been sanctioned as grant-in-aid to 506 applicants.